शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
nbt.india

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 8 1-9 फरवरी। भारत मंडपम, नई दिल्ली

मेला वार्ता

हम, भारत के लोग...
We, the People of India...
थीम
गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव
1950–2025

शनिवार, 08 फरवरी, 2025

थीम

भारत लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा 'भारत की सांस्कृतिक कूटनीति : विरासत से क्षितिज तक' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी और उपेंद्र राय इस कार्यक्रम का हिस्सा रहे। न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने अतिथियों का स्वागत किया। चर्चा के दौरान उपेंद्र राय ने सवाल किया कि "भारत पिछले 10 सालों में कितना बदला है?" इसके जवाब में गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, भारत में बड़ा बदलाव आया है, जिसे विदेशों में बसे भारतीयों से बातचीत करके महसूस किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि कुंभ मेला हमारी संस्कृति और एकता का प्रतीक है। उन्होंने दो पुस्तकें– 'मृत्युंजय' (शिवाजी सावंत) और 'प्रतिरोध : द रेजिस्टेंस' (ले.ज. दिलीप सिंह) पढ़ने की सलाह भी दी।

जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल का आगमन

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2025 के सातवें दिन जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल माननीय श्री मनोज सिन्हा का आगमन हुआ। उन्होंने मेले में पुस्तक-प्रेमियों और विचारकों की उपस्थिति में समय बिताया। न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने उन्हें पुस्तक मेले के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर न्यास-निदेशक युवराज मलिक ने उन्हें पुस्तकें उपहारस्वरूप प्रदान कीं।

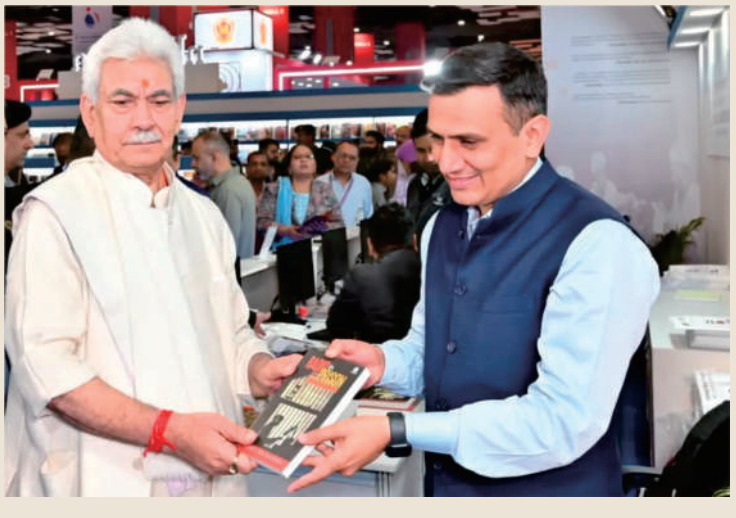

संदेश

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते
आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

मेरे लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि **राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी), नई दिल्ली** पुस्तकों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, भाषाई और साहित्यिक धरोहर को संरक्षित और प्रसारित करने के उद्देश्य से दिनांक 1 से 9 फरवरी, 2025 तक "नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला" के 32वें संस्करण का आयोजन नई दिल्ली में करने जा रहा है। खुशी की बात यह भी है कि इस वर्ष भारत का सर्वकालिक मित्र राष्ट्र रूस, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2025 में 'फोकस देश' के रूप में भाग ले रहा है। इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम "भारतः गणतंत्र@75" है, जिसके माध्यम से पुस्तक प्रेमियों के सामने भारत की गणतांत्रिक विरासत को प्रस्तुत करने का एनबीटी का एक महति प्रयास है।

आज की तकनीकी और डिजिटल दुनिया में भी पुस्तकें ज्ञान का भंडार, व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्रीय विकास का आधार हैं। पुस्तकें हमें न सिर्फ़ हमारी जड़ों से जोड़े रखती हैं बल्कि हमारे भीतर एक सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करती हैं और साथ ही आसपास की दुनिया को समझने, विवेकपूर्ण बनने और हमारा आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करती हैं। पुस्तकें हमारे आदर्श, मार्गदर्शक या सर्वकालिक शिक्षक के रूप में भी हमारे जीवन में शामिल होती हैं। लेखकों, समालोचकों और चिंतकों के चिंतन और सृजन से नई पीढ़ी में नई सोच, नवाचार और नई सृजन की चेतना का विकास "विकसित भारत@2047" को मूर्त रूप प्रदान करने में अत्यंत मददगार होगा।

मैं इस अवसर पर एनबीटी की पूरी टीम को मेले में पुस्तकों की सर्वसुलभता को सुनिश्चित कर पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक इनकी पहुँच सुनिश्चित करने के समर्पित प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ और विश्व पुस्तक मेले के भव्य आयोजन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

थीम मंडप

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'दि मार्टर्स ऑफ कुदोपली : ए पैनल डिस्कशन' ('कुदोपली के शहीदों पर चर्चा') का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं—दीपक कुमार पंडा और डॉ. बिभुदत्त प्रमोद कुमार मिश्रा का स्वागत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक कुमार विक्रम ने किया। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य कुदोपली की अनकही गाथा को लोगों तक पहुँचाना था। डॉ. बिभुदत्त प्रमोद कुमार मिश्रा ने पुस्तक 'द सागा ऑफ कुदोपली : द अनसंग स्टोरी ऑफ 1857' की घटना के बारे में बताया कि यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक महत्वपूर्ण घटना है, जो ओडिशा के संबलपुर में हुई थी। यह घटना 30 दिसंबर, 1857 को कुदोपली घाट पर हुई थी, जब ब्रिटिश सैनिकों के साथ लड़ाई में 53 क्रांतिकारी शहीद हो गए थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुजीत कुमार प्रुसेठ ने किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास एवं भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के मध्य 7 फरवरी 2025 को समझौता ज्ञापन (MOU) के संदर्भ में हस्ताक्षर समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर एनबीटी के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने बताया कि इस समझौते के अनुसार भारतीय पुस्तक न्यास द्वारा 500 पुस्तकों का सांकेतिक भाषा में अनुवाद किया जाएगा। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के

संयुक्त निदेशक राजीव शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि "साहित्य के इस महाकुंभ में किया गया यह समझौता ज्ञापन मूक-बधिर लोगों के लिए एक सराहनीय प्रयास है।" वहीं, भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान के निदेशक ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि "संसाधनों पर सभी का समान अधिकार है। इस पहल से दिव्यांगजनों को बहुत सहायता मिलेगी।" राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक कुमार विक्रम ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर एनबीटी के निदेशक युवराज मलिक एवं अन्य गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'अंजू' पुस्तक के लोकार्पण एवं चर्चा कार्यक्रम में प्रो. जी. वेंकटरमैया, डॉ. अतेम दत्तैया, डॉ. नीरजा अमरवाड़ी एवं दसारी अमरेंद्र ने अपने विचार प्रस्तुत किए। पुस्तक के विषय में बताते हुए दसारी अमरेंद्र ने कहा कि 'अंजू' एक छात्रा और उसके सपनों की कहानी है और उन्हें विश्वास है कि पाठक इस पुस्तक को अवश्य पसंद करेंगे।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'आधुनिक तमिल साहित्य और गणतंत्र की भावना' विषय पर चर्चा आयोजित हुई। कार्यक्रम का संचालन लेखक और पत्रकार किझलम्बुर शंकर सुब्रह्मण्यन ने किया। वक्ताओं में भरतनाट्यम कलाकार गणेश रामकृष्णन और लेखक व अनुवादक सुरेश कुमार रंगनाथन उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में तमिल साहित्य के इतिहास और उसकी समृद्ध परंपराओं पर चर्चा हुई, जिसके अंतर्गत कल्कि कृष्णमूर्ति और चोल वंश के प्रभाव पर विमर्श हुआ। इस चर्चा में कल्कि कृष्णमूर्ति के 'पोन्नियिन सेलवन' उपन्यास का जिक्र किया गया, जो चोल साम्राज्य पर लिखी गई सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में से एक है। कार्यक्रम में आधुनिक तमिल साहित्य में योगदान के लिए युवा तमिल कवियों और लेखकों पर भी चर्चा हुई।

भारत लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा 'व्यंग्य और यथार्थ के शिल्पी : श्रीलाल शुक्ल' विषय पर चर्चा का आयोजन हुआ। इस चर्चा में डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, प्रो. रामेश्वर राय, डॉ. कुमुद शर्मा, प्रेम जनमेजय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अंजुम शर्मा ने किया। चर्चा में श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों—'राग दरबारी' और 'मकान' पर विचार-विमर्श हुआ।

संदेश

जयन्त चौधरी
JAYANT CHAUDHARY

सत्यमेव जयते

कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State (Independent Charge) for
Skill Development and Entrepreneurship
and Minister of State for Education
Government Of India

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला का आयोजन 01 से 09 फरवरी 2025 तक दिल्ली के भारत मंडपम में होगा।

मेरा मानना है कि किताबें न सिर्फ हमारे सर्वांगीण विकास में सहायक होती है अपितु किताबें पढ़ने से हमारा बौद्धिक और नैतिक विकास होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला और खेल में बहु-विषयक और समग्र शिक्षा प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। शिक्षा नीति में पुस्तक पठन-पाठन के महत्व पर बल दिया गया है।

जानकर हर्ष हुआ की इस वर्ष के पुस्तक मेला की थीम 'भारत : गणतंत्र@75' है, जो विविधतापूर्ण देश की आज़ादी के साथ ही उसके अब तक के वैश्विक सफर को रेखांकित करेगा। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इस बदलते हुए सामाजिक परिदृश्य में पुस्तकों की महत्ता पहले से अधिक बढ़ गई है। मुझे विश्वास है कि पिछले 51 सालों की तरह इस बार भी विश्व पुस्तक मेला सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा और देश में पढ़ने-पढ़ाने कि हमारी समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ाएगा।

इस ज्ञानयज्ञ में सम्मिलित सभी प्रकाशकों, लेखकों, मुद्रकों, वितरकों समेत इसमें सम्मिलित सभी लोगों और संस्थाओं को इसके सफल आयोजन के लिए मेरी बहुत शुभकामनाएं।

(जयन्त चौधरी)

Office: Room No. 104-A, 'C' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001
Phone : 91-11-23384327, 23381302 E-mail: mosedu-jc@gov.in

बाल मंडप

कहानीकार **उषा छाबड़ा** ने बच्चों को मनोरंजक कहानियाँ सुनाईं। 'गुड़ गुड़ गुड़' और 'जादुई किताबें' शीर्षक कहानियों ने बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी अनोखी प्रस्तुति शैली और संवादात्मक कहानी कहने के अंदाज ने बच्चों में कल्पनाशक्ति और पढ़ने की रुचि बढ़ाने का काम किया। यह आयोजन बच्चों के रचनात्मक विकास के लिए एक शानदार अनुभव साबित हुआ।

'मैजिक ऑफ साइंस' कार्यक्रम में वैज्ञानिक और लेखक राजीव तांबे ने बच्चों को विज्ञान के रोमांचक पहलुओं से रूबरू कराया। उन्होंने 'हर बच्चा वैज्ञानिक है' अवधारणा पर जोर देते हुए सरल और रोचक प्रयोग करवाए। बच्चों ने विज्ञान को खेल-खेल में समझा।

वॉर्नर ब्रॉस डिस्कवरी द्वारा आयोजित 'राइट अबाउट योर फेवरेट एनिमल' गतिविधि में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने अपने पसंदीदा जानवरों और पालतू पशुओं के बारे में दिलचस्प कहानियाँ और विचार लिखे। कुछ बच्चों ने कैट और डॉग के प्रति अपना प्यार व्यक्त किया, तो कुछ ने लॉयन, रैबिट और पैरट जैसे जानवरों तथा पक्षियों पर लेख लिखे।

स्कॉलस्टिक द्वारा आयोजित एक रोचक कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी पसंदीदा किताबों के पात्र डॉग मैन और क्लीफर्ड से मुलाकात की। संवादात्मक कहानी सत्र और मजेदार गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। इस कार्यक्रम ने बच्चों में पढ़ने की रुचि बढ़ाने का काम किया।

आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया ने 'रशियन साहित्य में बोलती बिल्लियों की परंपरा पर चर्चा' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका संचालन इगोर माल्याशेव ने किया। कार्यक्रम में 'बेहेमॉथ दि कैट' (दि मास्टर एंड मार्गेरीटा), 'रुस्लन एंड ल्यूडमिला', 'क्राइलोव्स फैबल्स', 'पुस्किन', 'चेखोव' और 'बसीलियो दि कैट' आदि पात्रों की मदद से रूसी साहित्य में पशुओं को दर्शाने के तरीकों और उनके दार्शनिक पक्ष को बताने का प्रयास किया। अंत में संचालक इगोर माल्याशेव ने अपनी पुस्तक 'होम' के बारे में जानकारी दी, जिसमें मुख्य किरदार एक बिल्ली ही है।

'इलस्ट्रेशन वर्कशॉप' में प्रसिद्ध चित्रकार कैनेटो जिमो ने बच्चों को इलस्ट्रेशन बनाने की कला सिखाई। उन्होंने सरल तकनीकों के जरिए बच्चों को कहानी के पात्रों को चित्रों में ढालने के तरीके बताए। बच्चों ने रचनात्मकता का प्रदर्शन किया और अपनी कल्पनाओं को रंगों के जरिए व्यक्त किया।

'कुछ रंगबिरंगी बातें और चित्र' सत्र में लेखिका ममता नैनी और चित्रकार ईशा नागर ने बच्चों के साथ रचनात्मक समय बिताया। बच्चों ने बड़े कागजों पर रंग भरे और अपनी कल्पनाओं को चित्रों के माध्यम से व्यक्त किया। कार्यक्रम में नाच-गाने और म्यूज़िकल चेयर जैसे खेलों ने भी उत्साह बढ़ाया।

'चिल्ड्रेन ऑथर्स मीट' चर्चा में एसरा, मरियम, मेधावी, दीप्शी, रुद्रांशी और दुर्गांश ने लेखन से जुड़े अनुभव साझा किए। चर्चा के दौरान, लेखन को निरंतर सुधारने की बात कही गई—'हर अगली चीज पिछली से बेहतर होगी।' प्रतिभागियों ने राइटर्स ब्लॉक पर अपने विचार साझा किए, जहाँ कुछ ने प्रेरणा के लिए किताबें पढ़ने की सलाह दी, तो कुछ ने प्रकृति से जुड़ने को महत्वपूर्ण बताया। इस सत्र ने युवा लेखकों को लेखन के प्रति नया दृष्टिकोण दिया और उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया।

एनसीसीएल द्वारा बच्चों के लिए बाल फिल्मों की स्क्रीनिंग आयोजित की गई। इस पहल से बच्चों ने मनोरंजन के साथ सीखने का आनंद लिया।

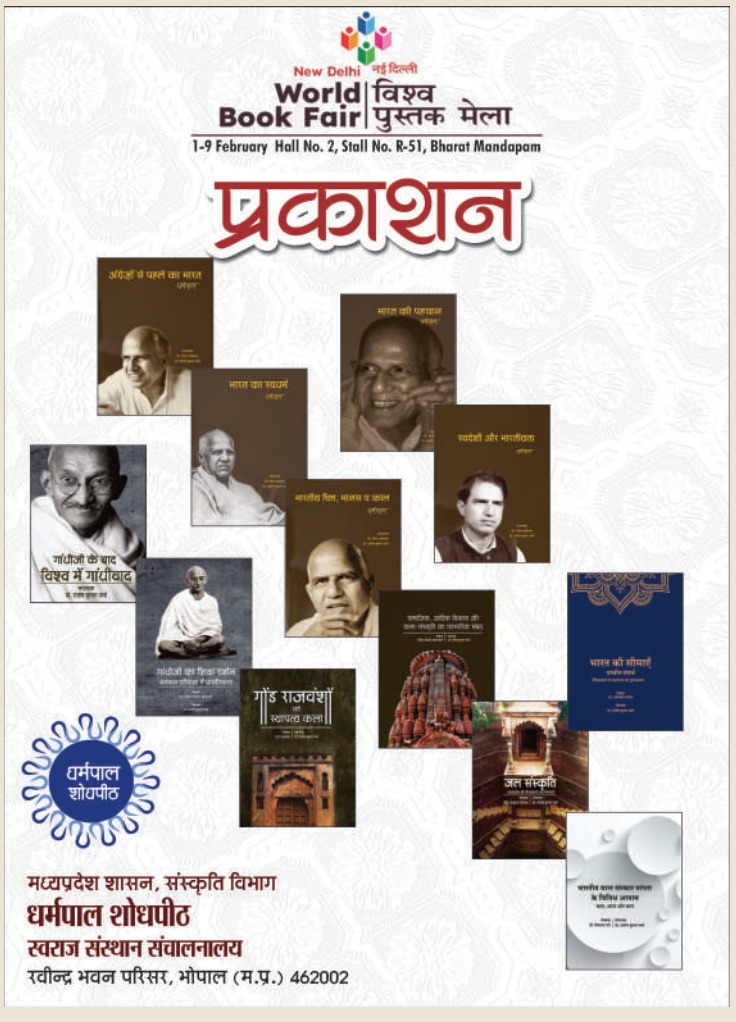

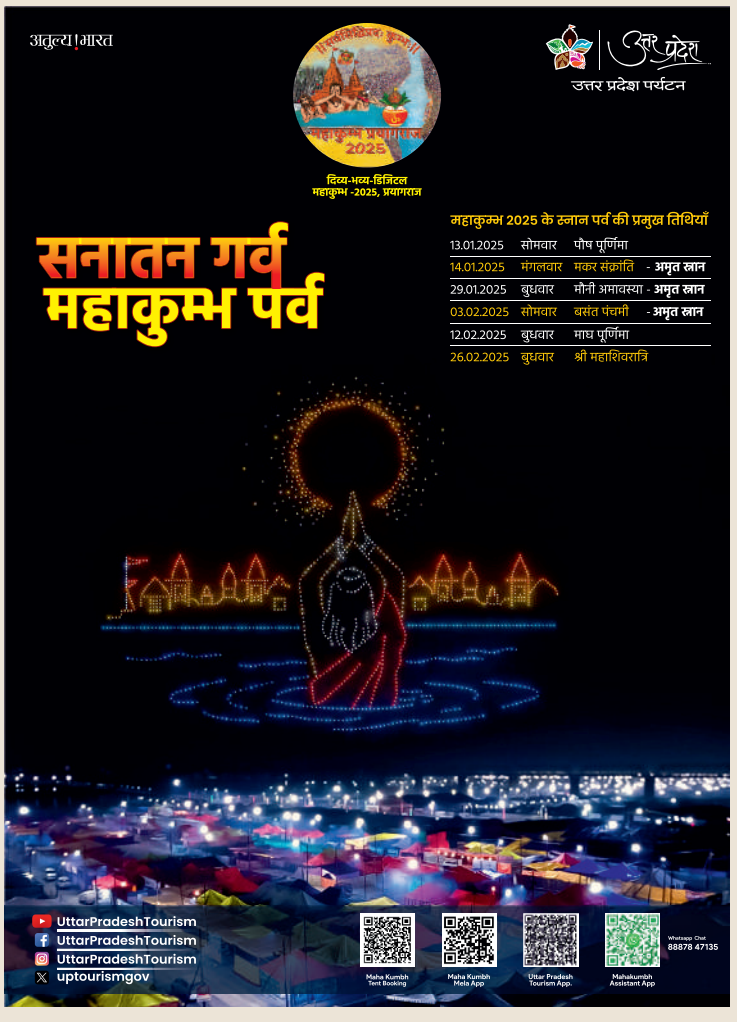

साहित्यिक गतिविधियाँ

प्रभात प्रकाशन द्वारा मोटिवेशनल स्पीकर और बिजनेस कोच डॉ. उज्ज्वल पटनी की पुस्तक 'पावर थिंकिंग' और 'जीत या हार, रहो तैयार' का लोकार्पण माननीय राज्यसभा सांसद गोविंदभाई ढोलकिया और डॉ. उज्ज्वल पटनी किया। डॉ. पटनी ने लोगों को सफल बनने के तीन सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि जीवन में हमेशा दो प्लान होना चाहिए, क्योंकि पहला प्लान हमेशा सफल हो और सही हो ये जरूरी नहीं है। गोविंदभाई ढोलकिया ने कहा कि गीता कोई धार्मिक पुस्तक नहीं है, यह मैनजमेंट की सबसे अच्छी पुस्तक है। इसके बाद डॉ. सी. वी. आनंद बोस की दो पुस्तकें 'कहानी पूरब पश्चिम' और 'योग यात्रा' एवं अक्षत गुप्ता की पुस्तक 'द हिडन हिंदू' का लोकार्पण और परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अक्षत गुप्ता ने कहा कि रामायण और महाभारत को अगर आप वास्तविक मानते है, तो हिंदू 'माइथोलॉजी' शब्द बोलना छोड़ना चाहिए, क्योंकि यह शब्द मूलतः 'मिथ्या' शब्द से आया है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा 'आनंद कुमारस्वामी रिकंस्ट्रक्टिंग पोस्ट इंडिपेंडेंस इंडियन आर्ट हिस्ट्री' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया। चर्चा के दौरान आनंद वर्धन ने कहा कि "कला में भौतिक और ब्रह्मांड संबंधी संदर्भ समाहित हैं।" डॉ. अद्वैतवधिनी कौल ने कला के क्षेत्र में आनंद कुमारस्वामी के योगदान के विषय में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन सदिश शर्मा द्वारा किया गया।

एशियन लिटरेरी सोसायटी और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'इंग्लिश पोएट्री मीट' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वंदना भसीन ने अपनी पुस्तक 'द गिफ्ट ऑफ सेल्फ' से कुछ कविताएँ सुनाईं। किरेन बबल ने 'यस आई कैन, एस आई विल', 'द गार्डन ऑफ लाइफ' कविताएँ सुनाईं। चुमकी रॉय ने अपनी कविता 'चाइल्डहुड' से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस काव्य-पाठ में शेहला अहमद की कविता 'पोस्टमैन', राजश्री राठौर की कविता 'गॉडेस' काफी प्रभावकारी थी। डॉ. मनोज ने मंच संचालन किया।

टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप द्वारा अंशुल चतुर्वेदी की पुस्तक 'विवेकानंद हैंडबुक ऑफ एवरीडे लिविंग' पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अंशुल चतुर्वेदी ने कहा कि "स्वामी विवेकानंद महान दार्शनिक थे और उनके विचार किसी धर्म और संस्कृति के बंधनों से परे हैं। वह अंधविश्वास के घोर आलोचक थे। वह युवाओं को राष्ट्र निर्माता मानते थे।" इस कार्यक्रम का मंच संचालन शिंजिनी कुलकर्णी ने किया।

ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'क्राफ्टिंग स्टोरीज, टेलिंग टेल्स : पर्सपेक्टिव ऑन राइटिंग फॉर चिल्ड्रेन एंड यंग एडल्ट फ्रॉम दि नॉर्थईस्ट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैनेटो जिमो ने कहा कि "अगर आपकी कहानी अच्छी है और अच्छे से लिखी गई है, तो वह बच्चों को अवश्य पसंद आएगी।" इस कार्यक्रम में बच्चों के लिए ग्राफिक कहानी पर सार्थक चर्चा की गई। कार्यक्रम में पंकज सैकिया, परिस्मिता सिंह और हन्ना लाललानपुई उपस्थित रहीं। मंच संचालन सोमक घोषाल द्वारा किया गया।

इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती द्वारा 'आत्म बोध से विश्वबोध' पर चर्चा की गई। इस चर्चा में शामिल डॉ. विवेक शर्मा ने बताया कि आत्मबोध की खोज की शुरुआत 'मैं कौन हूँ?' प्रश्न से शुरू होती है। डॉ. भरत ठाकोर ने कहा, हमें भारत को अपनी दृष्टि से देखना चाहिए, उससे ही भारत में स्व के जागरण का उदय होगा। इस कार्यक्रम में डॉ. सुजाता मिश्र, प्रवीण आर्य, डॉ. अवनिजेश अवस्थी समेत अन्य लोगों ने भी अपनी बात रखी।

आदियोगी बुक्स द्वारा शुभम प्रजापति की पुस्तक 'फ्री यंग माइंड फ्रॉम मेंटल प्रेशर' बच्चों में नैतिक शिक्षा विषय पर चर्चा की गई। उन्होंने अपनी पुस्तक के संबंध में बात करते हुए कहा कि अगर हम अपने बच्चों को बचपन से ही संस्कार नहीं सिखाएँगे तो हमारी संस्कृति से संस्कृत खत्म हो जाएगा और हिंदुस्तान से हिंद।

प्रखर गूँज प्रकाशन द्वारा आशुतोष शर्मा की पुस्तक 'गुलमोहर', भीम सेन आनंद की पुस्तक 'नीर बने मोती' समेत कई अन्य पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुरेंद्र सिन्हा, राजीव मेनन और मेघनाथ उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के वक्ता कौशल किशोर ने कहा कि पाठकों की कमी नहीं है, बस अच्छे लेखकों का अभाव है।

प्रभाकर प्रकाशन द्वारा नेहल शाह की पुस्तक और 'इन सब के बीच' पुस्तक का लोकार्पण किया गया तथा उस पर बातचीत भी की गई। इस पुस्तक के बारे में राकेश रेणु ने कहा कि नेहल शाह राख में दबी आग हैं, उनको पढ़कर ही उनकी तपिश को महसूस किया जा सकता है। इस आयोजन में सविता सिंह, अंशुल चौधरी समेत कई अन्य वक्ताओं ने इस पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त किए और इसके बाद काव्य पाठ भी किया।

शिवना प्रकाशन द्वारा 'अर्बन नक्सल बीवी' (रजनीगंधा), 'प्रेम रहेगा शेष' (रश्मि कुलश्रेष्ठ), 'हाजरा का बुर्क़ा ढीला है' (तबस्सुम जहाँ) और 'प्रेम का ढाईपन' (ऋतु मिश्र) समेत कई पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण के अवसर पर प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता यशपाल शर्मा ने लेखकों का हौसला बढ़ाया और उनकी पुस्तकों को भी लोकार्पित किया। उन्होंने कहा कि "लेखक किरदार के लिए अपना कलेजा निकाल कर रख देता है, तब किरदार तैयार होता है और अभिनेता उस किरदार को जीता है तब अच्छा अभिनय होता है।"

इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर

लिटरेचर पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमीशन, सऊदी अरब द्वारा 'अरब हेरिटेज : अ डिस्कशन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मोहम्मद बिल्लो थे। सऊदी अरब की संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सऊदी की संस्कृति हजारों वर्ष पुरानी है। सऊदी संस्कृति का एक शानदार उदाहरण सऊदी का पहनावा है, जो सैकड़ों वर्षों से एक जैसा ही है। इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस कार्यक्रम का संचालन अहमद अल रेदिनी ने किया।

ईरान बुक एंड लिटरेचर हाउस द्वारा आयोजित 'लिटरेरी मीट एंड डिस्कशन ऑफ ईरानियन एंड इंडियन पब्लिशर्स' कार्यक्रम में लेखक मुस्तफा मस्तूर की 'किस द लवली फेस ऑफ गॉड' और 'द पिग्स बोन ऐंड लेपरस हैंड्स' पुस्तकों के तमिल संस्करण का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. फरीद अल-दिन फरीद अस्त्र, डॉ. अयूब देहगान कर, डॉ. इब्राहिम हैदरी एवं डॉ. मरियम रोनाग ने पुस्तक के संबंध में अनेक सूचनाओं को साझा किया। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के विषय में बोलते हुए डॉ. फरीद अल-दिन फरीद अस्त्र ने कहा कि उनका अनुभव शानदार रहा है। इस मेले के माध्यम से उन्हें कई प्रकाशन संस्थानों से जुड़ने एवं संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन हुसैन बहरामी ने किया।

इंस्टिट्यूटो सर्वांतेस, नई दिल्ली द्वारा 'इंट्रोडक्शन टू द कैटलन लैंग्वेज एंड लिटरेचर' व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस सत्र के मुख्य वक्ता श्री समीर रावल थे। उन्होंने दर्शकों के साथ स्पेन के लेखक मारोई दियामेंट द्वारा लिखित उपन्यास 'ला प्लासा देर दियामेंट' के कई संस्मरण साझा किए। उन्होंने इस पुस्तक में लिखित युद्ध की विभीषिका और एक शहीद की पत्नी के दर्द को अपने वक्तव्य के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू.ऑफ रशिया द्वारा 'इमेज एंड लैंडस्केप : इंटरैक्शन एंड इंटरपेनिट्रेशन' विषय पर बातचीत का सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में रूस के लेखक वैसिली नैटसेनतोव और इगोर सिड ने भाग लिया। इन दोनों वक्ताओं का मानना था कि किसी भी साहित्य में साहित्यकार का दृष्टिकोण, काल और परिस्थिति एवं परिदृश्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कविता और कला एक अनोखे संसार को व्यक्ति के समक्ष प्रस्तुत करती है। एक कवि के लिए अपने आस-पास के वातावरण को समझना महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि आस-पास के वातावरण से ही कविता का जन्म होता है। इसी क्रम में वैसिली नैटसेनतोव ने भारतीय पाठकों को रूसी साहित्य की बारीकियों से अवगत कराया।

इंडिया नेटबुक्स के स्टॉल पर सीमा असीम सक्सेना के उपन्यास 'सुनहरी यादें' और डॉ. बीना चतुर्वेदी के कहानी-संग्रह 'एक नई पहल' का लोकार्पण हुआ। इंडिया नेटबुक्स के चेयरमैन डॉ. संजीव कुमार और डॉ. मनोरमा ने सीमा सक्सेना और डॉ. बीना चतुर्वेदी को उनकी पुस्तकों के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर फारूक अफरीदी, महेश आलोक, जयंती रंगनाथन, विजया भारती, डॉ. नीलिमा पांडेय, गिरीश पंकज, अरविंद तिवारी, रणविजय राव, हरीश पाठक, नीलिमा शर्मा आदि गणमान्य साहित्यकार उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम की संध्या में आज कवि सम्मेलन, वायलिन, बालालाइका पर रशियन सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं इनायत कौर बजाज द्वारा संगीत का कार्यक्रम हुआ।

शनिवार, दिनांक 08 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर : हॉल सं. 4	
11:00-11:50	ड्रॉइंग 'ऐन एस्पानॉल'; अफ्रीका कोबोस गोमेज़ अ वर्कशॉप व्हेयर वैरियस टेक्स्ट्स विल बी इंटरप्रिटिड थ्रू ड्रॉइंग्स	इंस्टिट्यूटो सर्वांतेस, नई दिल्ली
12:00-12:50	लोकार्पण—नेपाली मैग्जीन 'प्रतीक'स हिमालयन लिटरेचर फेस्टिवल' स्पेशल इश्यू, 'पोएट्री इज ब्रेड : द एंथोलॉजी', टीना केन तथा 'ऐलिस इन क्रेजी लैंड', इवाल्ड फ्लीजर'स; युयुत्सु शर्मा (*संचालन*)	व्हाइट लोटस बुक शॉप, नेपाल
01:00-01:50	पुस्तक लोकार्पण एवं विमर्श—बाईलिंगुअल बुक्स (इंग्लिश-रशियन) तथा (हिंदी-रशियन) 'व्हाई?', 'व्हाट इज अ ट्री?', 'रूपा द एलिफैंट', 'अ फ्रेंड फॉरएवर', 'मीता एंड हर मैजिक शूज'	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
03:00-03:50	'कैटा एंड लीना' तथा 'अपसाइड डाउन' का लोकार्पण	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास एवं ऐंबैसी ऑफ डोमेनिकन रिपब्लिक
04:00-04:50	विमर्श—'द रोल ऑफ रिसर्च एंड पब्लिशिंग इन प्रोमोटिंग वैल्यूज ऑफ कोएग्जिस्टेंस *पैनलिस्ट* : हसन अल-मारजूकी, बखीता अल-रेमेथी, कल्लोल भट्टाचार्या; प्रो. ज़िकरूर रहमान (*संचालन*)	द कम्यूनिटी सेंटर, अबूधाबी यूएई
05:00-05:50	मोत्ताइनाइ ग्रैंडमा गोज़ टू द मैजिक लैंड का लोकार्पण; *पैनलिस्ट* : कोजी योशीदा, मोरियो किताउका, यिआ सहाशी, योशिआकी कोगा, संजय पंडा (*संचालन*)	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास एवं जापान फाउंडेशन
06:00-06:50	पुस्तक लोकार्पण एवं विमर्श—'थ्री डिकेड्स इन डिप्लोमेसी'—मोहन कृष्णा श्रीथा 'ओकोक्सल : पाइन लीव्ज'—डॉ. श्रीमती सी. दास	वॉलनट पब्लिकेशन
	थीम मंडप : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	'पीएम-युवा' की पुस्तकों का लोकार्पण	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
12:00-12:45	पुस्तक लोकर्पण एवं चर्चा	ऑथर्स गिल्ड
01:00-01:45	गुलाब कोठारी की पुस्तक 'स्त्री देह से आगे' का लोकार्पण और चर्चा *मुख्य अतिथि* : श्री ओम बिड़ला, माननीय लोकसभा अध्यक्ष, सम्मानित *अतिथि* : श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय शिक्षामंत्री	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
03:00-03:45	आचार्य बालकृष्ण का कार्यक्रम	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
04:00-04:45	गुजराती कार्यक्रम—लेखक से मिलिए; *वक्ता* : सुश्री काजल ओझा; भाग्येंद्र पटेल (*संचालन*)	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
05:00-05:45	सर्वोच्च न्यायालय के 75 वर्ष : न्याय का स्तंभ, आकांक्षाओं का दर्पण; *वक्ता* : आर वेंकटरमणी; प्रो. (डॉ.) सी. राज कुमार	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
06:00-06:45	द रिपब्लिक ऑफ इंडिया—स्ट्रेंथनिंग इंडियन लैंग्वेजिज—द केस ऑफ तमिल लैंग्वेज; *वक्ता* : श्री जो डी क्रूज़, सुगादेव	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
	बाल मंडप : हॉल सं. 6	
10:00-10:45	पिक्शनरी गेम्स	पियाली धर
10:50-11:35	कथावाचन सत्र	सिम्मी श्रीवास्तव
11:45-11:55	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए	टीन टाइटंस (रॉबिन एवं स्टारफायर)
12:00-12:30	क्विज ऑन कॅरियर	एलेन
12:35-12:45	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए	जेरोनिमो
01:00-01:45	नार्ट एपिक ऑफ द कॉकेसस एंड कॉकेसियन ट्रेडिशंस ऑफ एड्यूकेशन	इगोर माल्यशेव
02:00-02:45	कैलिग्राफी वर्कशॉप (हिंदी)	रघुनिता गुप्ता
03:00-03:45	चिल्ड्रन ऑथर'स मीट	स्कॉलास्टिक
04:15-06:15	बाल फिल्मों की स्क्रीनिंग	एनसीसीएल
	लेखक मंच : हॉल सं. 2	
11.00-11.45	सुरेंद्र मोहन पाठक के उपन्यास 'कूपर कंपाउंड' का लोकार्पण व चर्चा *वक्ता* : सुरेंद्र मोहन पाठक, सुहैब फ़ारुकी, मुबारक अली, विशी सिन्हा, गौतम राजऋषि	साहित्य विमर्श प्रकाशन
12:00-12:45	'फ्रंटीयर्स ऑफ डेली लाइफ', लेखिका—डॉ. शेहला अहमद; 'द गिफ्ट ऑफ सेल्फ, लेखिका—वंदना भसीन; 'नवरस', लेखक—मनोज कृष्णन एवं अनिता चंद; 'कुछ ऐसे ही', लेखिका—तनुजा ठाकुर का पुस्तक लोकार्पण एवं चर्चा	'एशियन लिटरेरी सोसा. (FoF)

शनिवार, दिनांक 08 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
01.00-01.45	सुनील गुप्ता की पुस्तक 'ब्लैक वारेंट' पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन (FoF)
01:45-02:15	देवकन्या ठाकुर की पुस्तक 'शारंग' (कविता-संग्रह) का लोकार्पण एवं चर्चा	देवकन्या ठाकुर, हिमाचल
02.15-03.00	'आत्मोथानम' पुस्तक का लोकार्पण; *वक्ता* : अखिलेन्द्र मिश्र	सर्वभाषा ट्रस्ट
03.00-03.45	शौर्य चक्र से सम्मानित ग्रुप कैप्टन प्रमोद कुमार पर केंद्रित पुस्तक का लोकार्पण एवं चर्चा *वक्ता* : अर्चना जैन, नाइक शुक्ला, अंबीन जैदी एवं वंदना पल्ली	हाईब्रो
04.00-04.45	'इट इज़ ऑलवेज़ पॉसिबल' पुस्तक का लोकार्पण एवं चर्चा; *वक्ता :* किरण बेदी, जयदेव सारंगी, सुनील गुप्ता एवं मोनिका भावना	डायमंड पॉकेट बुक्स प्रा.लि.
05.00-05.45	'गढ़वाली भाषा के संजीदा रचनाकार' नरेंद्र सिंह नेगी की रचनाधर्मिता पर संवाद; *वक्ता* : नरेंद्र सिंह नेगी, गणेश खुगशाल 'गणी' गढ़वाली भाषा का रचना संसार; *वक्ता* : नरेंद्र सिंह नेगी, दीनदयाल सुंदरियाल	विनसर पब्लिशिंग कंपनी
06.00-06.45	21वीं सदी की शिक्षा में युवाओं की सफलता की कहानियाँ; *वक्ता* : विधि, रूबी, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, राज हैलिका	गुल्लीबाबा पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि.
07.00-07.45	आजादी के अमृत महोत्सव पर चर्चा एवं पुस्तक लोकार्पण; सुभाष चंदर, गिरीश पंकज, ऋषि कुमार शर्मा, डॉ. आरती स्मित, रिंकल शर्मा, रजनी गुप्त, उर्मिला शिरीष, आलोक यात्री, शिवराज सिंह, राजीव तनेजा	अद्विक प्रकाशन
08.00-08.45	शक्ति : वुमन, जेंडर एंड सोसाइटी इन इंडिया, पुस्तक परिचर्चा; *वक्ता* : संगीता गोडबोले, डॉ. वरदा संभूस, डॉ. गीता भट्ट, डॉ. ज्योति चौथाईवाले, प्रफुल्ल केतरकर, डॉ. अदिति नारायणी पासवान, डॉ. पायल मागो	भारतीय स्त्री शक्ति संस्था
	ऑथर्स कॉर्नर : हॉल सं. 5	
10:00-10:45	मेकिंग फिक्शन मोर ऐंगेजिंग; *पैनलिस्ट* : शालिनी मलिक, अखिल कक्कड़, आशीष दत्ता, चेतन एस. बत्रा, प्रियाशा मोहंती (*संचालन*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (FoF)
11:00-11:45	वुमन पोएट्री मीट; *पैनलिस्ट* : रूपाली मिस्त्री, किरेन बाबल, डॉ. शेहला अहमद, पी.डी. जोनाकी, डॉ. बिशाखा दास (*संचालन*)	एशियन लिटरेरी सोसा. (FoF)
12:00-12:45	विजुअल स्टोरीटेलिंग में काव्य अभिव्यक्ति का विकास; *पैनलिस्ट* : शिवांगी जैन, कंवलप्रीत कौर, संयम जैन, सुचरिता परिजा, तन्वी अग्रवाल	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (FoF)
01:00-01:45	ट्रांसफॉर्मिंग थ्रू एडवर्सिटी : द ऐल्केमि ऑफ पेन; *पैनलिस्ट* : संजय लज़ार, सरोज दुबे, इशिता सिंह, मीतू सहगल, शिवांगी जैन (*संचालन*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (FoF)
02:00-02:45	'मेनिफेस्टेशन' पुस्तक का लोकार्पण और चर्चा; रंजन महापात्र और जतिन	क्लेवर फॉक्स पब्लिशिंग प्रा.लि.
03:00-03:45	फर्टाइल ग्राउंड : एजेंट्स, बुकसेलर्स एंड लाइब्रेरिएंस हू नर्चर राइटिंग एंड रीडिंग इन द नॉर्थ-ईस्ट; *पैनलिस्ट* : मैरी थेरेसे, कुरकलांग, रमन श्रेष्ठ, ऋतुपर्णा नियोग, वनलालरुता राल्ते, स्वाति दफ्तुआर (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टि. (FoF)
04:00-04:45	यूनिवर्सिस इन वर्ड्स : ट्रांसलेटर्स ऑन हाउ दे ट्रांसलेट; *पैनलिस्ट* : अनमोल प्रसाद, मित्रा फुकन आर. शिवप्रिया (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टि. (FoF)
05:00-05:45	लैंड, फॉरेस्ट, फूड एंड अस : इवॉलविंग पर्सपेक्टिव्स ऑन फूड मार्केट प्लेस एंड पॉलिसी; *पैनलिस्ट* : भोगतोराम मावरोह, लंगचुई लुंगलेंग, लथिका जॉर्ज, मालविका भाटिया, मैरी थेरेसे कुरकलांग (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टि. (FoF)
06:00-06:45	कंटेम्परेरी फिक्शन : लैंड एंड कंट्री; *पैनलिस्ट* : अरूप कुमार दत्ता, किनफम सिंग नोंगकिन्रिह, लेखनाथ छेत्री, परिस्मिता सिंह, सोमक घोषाल (*संपादक*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टि. (FoF)
07:00-07:45	आर.एन. जो डी. क्रूज़ की पुस्तक 'ब्लू इकोनॉमिक्स' का लोकार्पण और चर्चा	आर.एन. जो डी. क्रूज़
08:00-08:45	द फ्यूचर ऑफ प्रिंट वर्सेज डिजिटल लिटरेचर; *पैनलिस्ट* : भास्वती खासनबीस, डॉ. सुशांत, दॉदरी शर्मा, आशीष दत्ता, स्मिता दास जैन, आभा नंदा, यश तिवारी	ऑथर्स इंक पब्लिकेशंस (FoF)
	सांस्कृतिक कार्यक्रम (एंफीथिएटर 1)	
05:00-06:00	मैत्रेयी एवं मित्र	रा.पु. न्यास
06:00-06:30	भारतीय विद्यार्थियों द्वारा रशियन सांस्कृतिक प्रस्तुति	रा.पु. न्यास
06:30 बजे से	हर्गुन कौर लाइव	रा.पु. न्यास

पुस्तक मेला के बारे में सामान्य जानकारी

भारत मंडपम् : कहाँ पर क्या

मेले की अवधि	: 01 - 09 फरवरी, 2025
समय	: प्रातः 10 से रात्रि 9 बजे तक
स्थान	: हॉल सं. 2 से 6

हॉल संख्या 2	**हॉल संख्या 2 और 3**
लेखक मंच	हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के प्रकाशक
हॉल संख्या 3 (मेजानिन)	**हॉल संख्या 4**
नई दिल्ली राइट्स टेबल	विदेशी मंडप, डिजिटल अनुभव क्षेत्र
ऑथर्स लाउंज	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर, विदेशी भागीदार
हॉल संख्या 5	**हॉल संख्या 6**
थीम मंडप (भारत : गणतंत्र @75)	बाल मंडप, बाल प्रकाशक
ऑथर्स कॉर्नर,	टॉय-इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड एजुकेशनल ऐड्स
सामान्य एवं व्यापार (प्रदर्शनी)	डिजिटल अनुभव क्षेत्र, दर्शन और अध्यात्म,
एंफीथिएटर 1	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान
सांस्कृतिक कार्यक्रम	एवं मानविकी

प्रवेश : गेट नं. 10 (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन), शटल सेवा उपलब्ध, गेट नं 4, गेट नं. 3

नोट : व्हील चेयर की सुविधा गेट नं 4, 3 और 10 पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल बैंक एटीएम वाहन और एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

भाषावार प्रकाशक

1. **हिंदी** : 153, 2. **उर्दू** : 20, 3. **संस्कृत** : 4, 4. **मलयालम** : 2, 5. **पंजाबी** : 6, 6. **तमिल** : 1, 7. **बांग्ला** : 3, 8. **अंग्रेजी** : 337, 9. **सिंधी** : 2, 10. **मैथिली** : 2, 11. **ओड़िया** : 4

हमसे यहाँ भी जुड़ें

https://twitter.com/nbt_india | https://www.facebook.com/nationalbooktrustindia/
https://in.linkedin.com/company/nationalbooktrustindia
https://www.youtube.com/user/NBTIndia | https://www.instagram.com/nbtindia/
https://www.kooapp.com/profile/nbtindia | अधिक जानकारी के लिए **www.nbtindia.gov.in** पर जाएँ

मेला वार्ता के लिए समाचार, सूचना एवं सुझाव
ई-मेल **melavartandwbf@gmail.com**
पर भेजे जा सकते हैं।
प्रकाशन हेतु सामग्री
मेला वार्ता
के **हॉल संख्या 6**
के पास स्थित कार्यालय को भी दी जा सकती है।

20 मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक मेले के टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला देखने आने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो ने एक अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 20 मेट्रो स्टेशनों पर पुस्तक मेले के लिए प्रवेश के टिकट उपलब्ध होंगे।

टिकट दर : वयस्क– **20** रुपये, बच्चे– **10** रुपये। छात्रों (विद्यालय की यूनिफॉर्म में), वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश निःशुल्क है।

जिन मेट्रो स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध होंगे, वे इस प्रकार हैं–

1. रेड लाइन : रिठाला, दिलशाद गार्डन, वेलकम; **2. ब्ल्यू लाइन :** कीर्ति नगर, मंडी हाउस, सुप्रीम कोर्ट, वैशाली, नोएडा सिटी सेंटर, बोटैनिकल गॉर्डन, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सेक्टर-52, द्वारका; **3. येलो लाइन :** विश्वविद्यालय, जीटीबी नगर, कश्मीरी गेट, राजीव चौक; **4. वॉयलेट लाइन :** आईटीओ; **5. ग्रीन लाइन :** मुंडका; **6. पिंक लाइन :** आईएनए; **7. मैजेंटा लाइन :** हौजखास।

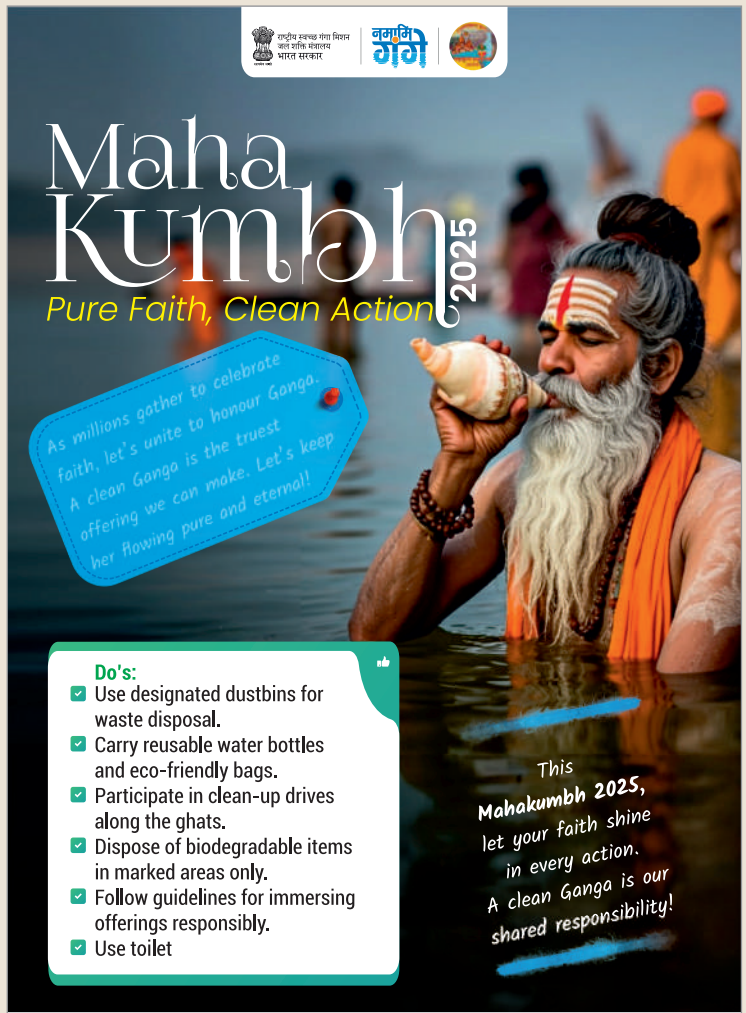

संपादक
दीपक कुमार गुप्ता

संपादकीय सहयोग
विजयलक्ष्मी पाण्डेय
कमलेश पाण्डेय
सुधीर नाथ झा

उत्पादन
पवन दूबे

लेआउट एवं सज्जा
ऋतुराज शर्मा

टंकण
ब्रजेश बनवारी

संवाददाता
सोनी सिंह, श्रीकान्त कुमार, मृणाल तिवारी, ऋतुराज, नमन दीक्षित

मेला वार्ता, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 32वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के लिए प्रकाशित विशेष बुलेटिन है। इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

श्री युवराज मलिक, *निदेशक*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित एवं मे. सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, ए-97, सेक्टर-58, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।